913/903

नव भारत टाइम्स
पृष्ठ 18
30-07-2014

मोदी ने खेती में विज्ञान के इस्तेमाल पर दिया जोर

लैब टु लैंड...नया नारा

■ पीटीआई/भाषा, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लैब टु लैंड (प्रयोगशाला से खेत तक) का नारा दिया। इंडियन काउंसिल फॉर एग्रिकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) के स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि किसानों की इनकम तभी बढ़ेगी जब वे देश और दुनिया का पेट भर सकेंगे और अपना प्रॉडक्शन बढ़ाने की हालत में होंगे।

कम जमीन-कम वक्त : पीएम ने 'कम जमीन और कम वक्त' में एग्रीकल्चरल प्रॉडक्शन को बढ़ाने में मदद के लिए साइंटिफिक टेक्नॉलजी के इस्तेमाल पर जोर दिया।

नील क्रांति लाएं : मोदी ने घटते प्राकृतिक संसाधनों और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर भी चिंता जताई। हरित और श्वेत क्रांति की तर्ज पर देश में मछली पालन के क्षेत्र में उन्होंने 'नील क्रांति' का आह्वान किया।

हर बूंद-ज्यादा फसल : खाद्य तेल और दलहन के लिए देश की अब तक भी इंपोर्ट पर बेहद निर्भरता पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और कोशिश होनी चाहिए कि हम कृषि जिंसों के मामले में आत्मनिर्भर हों। 'हमारा ध्येय वाक्य होना चाहिए, हर बूंद, ज्यादा फसल।'

किसानों तक पहुंचे रिसर्च : पीएम ने एग्रीकल्चर सेक्टर में साइंटिफिक रिसर्च को किसानों तक पहुंचाने की जरूरत पर जोर दिया। जब तक किसानों की आमदनी नहीं बढ़ेगी तब तक कृषि विकास के लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सकता। खाद्य पदार्थों की भारी मांग है। यह हमारे लिए एक मौका है।

PTI

आईसीएआर के स्थापना दिवस पर कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते पीएम।

किसानों का रेडियो

मोदी ने एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों को रेडियो स्टेशन शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा शिक्षित और प्रगतिशील किसान तथा एग्रीकल्चर रिसर्च में लगे विद्वान मिल कर प्रतिभाओं की एक अच्छा समूह खड़ा कर सकते हैं।

रिसर्च डेटा का डिजिटलाइजेशन

पीएम आईसीएआर को अगले 4-5 साल में देश में सभी एग्रीकल्चरल रिसर्च के डेटा का डिजिटलाइजेशन करने को कहा। देश में नील क्रांति (मत्स्य क्रांति) हासिल करने की आवश्यकता के विषय में मोदी ने कहा कि भारत के तिरंगे झंडे में, हम हरित और श्वेत क्रांति के बारे में बात करते हैं, लेकिन नीले रंग का अशोक चक्र भी है। उस क्रांति के बारे में भी हमें गौर करना होगा। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन क्षेत्र का विकास भी जरूरी है, क्योंकि इसका बड़ा ग्लोबल मार्केट है और इसमें मछुआरों के जीवन को बदलने की क्षमता है। उन्होंने समुद्री शैवालों के लिए रिसर्च का भी आह्वान किया।

प्रतिलिपि :-
1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. प्रभारी यू. एस. आई
5. प्रभारी वर्टैट
6. प्रभारी पी.पी.आई

सुनीता गुप्ता 30/7/14
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग